Preliminary Examination January 2022

Std. : XIIth | Sub.: Hindi
Time: 3 Hrs | Marks : 80

सूचनाएँ :

१) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य, विशेष अध्ययन तथा व्यावहारिक हिंदी की कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।
२) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही उपयोग कीजिए।
३) आकृतियों में उत्तर पेन से ही लिखना आवश्यक है।
४) व्याकरण विभाग में पूछी गई कृतियों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

कृति १ अ) गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : **(०६)**

आसमान से बरसती हुई प्रकाश की किरणें संसार पर नवीन जीवन की वर्षा कर रही थीं। बारह घंटो के लगातार संग्राम के बाद प्रकाश ने अंधेरे पर विजय पाई थी। इस खुशी में फूल झूम रहे थे, पक्षी मीठे गीत गा रहे थे, पेड़ों की शाखाएँ खे लती थी और पत्ते तालियाँ बजाते थे। चारो तरफ खुशियाँ झूमती थीं। चारों तरफ गीत गूंजते थे। इतने में साधुओं की एक मंडली शहर के अंदर दाखिल हुई। उनका खयाल था - मन बड़ा चंचल है। अगर इसे काम न हो, तो इधर - उधर भटकने लगता है और अपने स्वामी को विनाश की खाई में गिराकर नष्ट कर डालता है। इसे भक्ति की जंजीरों से जकड़ देना चाहिए। साधु गाते थे –

सुमर - सुमर भगवान को,
मूरख मत खाली छोड़ इस मन को।

जब संसार को त्याग चुके थे, उन्हें सुर - ताल की क्या परवाह थी। कोई उनके स्वर में गाता था, कोई मुँह में गुनगुनाता था। और लोग क्या कहते हैं, इन्हें इसकी जरा भी चिंता न थी। ये अपने राग में मगन थे कि सिपाहियों ने आकर घेर लिया और हथकड़ियाँ लगाकर अकबर बादशाह के दरबार को ले चले।

यह वह समय था जब भारत में अकबर की तूती बोलती थी और उसके मशहूर रागी तानसेन ने यह कानून बनवा दिया था कि जो आदमी रागविद्या में उसकी बराबरी न कर सके, वह आगरे की सीमा में गीत न गाए और जो गाए, उसे मौत की सजा दी जाए। बेचारे बनवासी साधुओं को पता नहीं था परंतु अज्ञान भी अपराध है। मुकदमा दरबार में पेश हुआ। तानसेन ने रागविद्या के कुछ प्रश्न किए। साधु उत्तर में मुँह ताकने लगे। अकबर के होंठ हिले और सभी साधु तानसेन की दया पर छोड़ दिए गए। "

१) कृति पूर्ण कीजिए। ०२

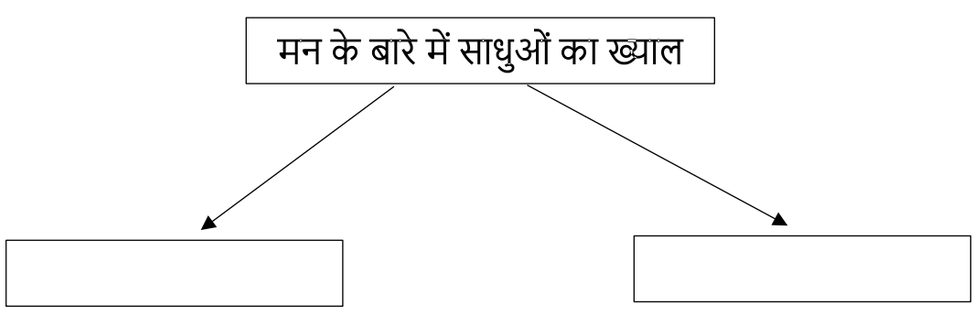

२) समानार्थी शब्द ढूंढकर लिखिए। ०१

१) दुनिया २) वक्त

३) पद्यांश में से शब्दयुग्म ढूंढकर लिखिए। ०१

१) _____ २) _____

४) सच्चे साधुसंत समाज में अच्छा परिवर्तन लाते हैं इस विषय पर ४० से ५० शब्दों में अपने विचार लिखिए। ०२

आ) गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : (०६)

"इस अल्हड़ उम्र में अगर वह लड़की अपने परिवार के स्नेह संरक्षण से मुक्त है, आजादी के नाम पर स्वयं को जरूरत से ज्यादा अहमियत देकर अंतर्मुखी हो गई है तो उसके फिसलने की संभावना और भी बढ़ जाती है। लगता है, अपने परिवार से कटी रचना के साथ ऐसा ही है। यदि सचमुच ऐसा है तो तुम्हें और भी सावधानी से काम लेना होगा अन्यथा उसे समझाना मुश्किल होगा, उलटे तुम्हारी दोस्ती में दरार आ सकती है।

एक अच्छी सहेली के नाते तुम उसकी पारिवारिक पृष्टभूमि का अध्ययन करो। अगर लगे कि वह अपने परिवार से कटी हुई है तो उसकी इस टूटी कड़ी को जोड़ने का प्रयास करो। जैसे तुम मुझे पत्र लिखती हो, उससे भी कहो; वह अपनी माँ को पत्र लिखे। अपने घर की, भाई - बहनों की बातों में रुचि लें। अपनी समस्याओं पर माँ से खुलकर बात करे और उनसे सलाह ले। यदि उसकी माँ इस योग्य न हो तो वह अपनी बड़ी बहन या भाभी से निर्देशन ले। यह भी संभव न हो तो अपनी किसी समझदार सहेली या रिश्तेदार को ही राजदार बना ले। घर में किसी से भी बातचीत का सिलसिला जोड़कर वह अपनी समस्या से अकेले जू झने से निजात पा सकती है। नहीं तो तुम तो हो ही। ऐसे समय वह तुम्हारी बात न सुने , तुम्हें झटक दे, तब भी उसकी वर्तमान मनोदशा देखकर तुम्हें उसकी बात का बुरा नहीं मानना है। उसका मूड देखकर उसका मन टटोलो और उसे प्यार से समझाओ। "

१) संजाल पूर्ण कीजिए ०२

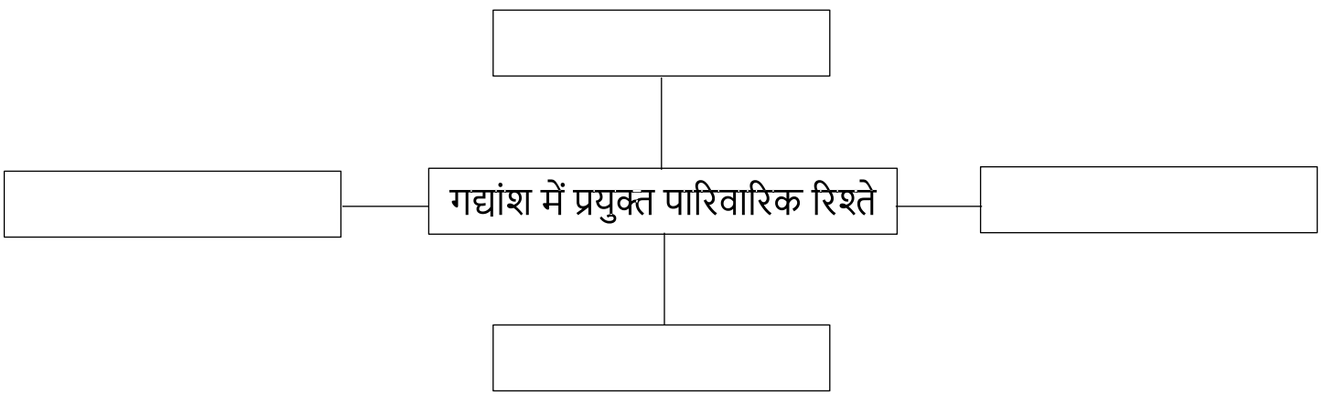

२) निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए :- ०२

१) समस्या २) बात ३) बहन ४) परिवारों

३) 'माँ संतान की सच्ची अंतरंग सहेली होती है', इस कथन पर ४० से ५० शब्दों में अपना मत लिखिए। ०२

(इ) निम्नलिखित के उत्तर लगभग ८० से १०० शब्दों में लिखिए : (३ में से २) (०६)
१) 'आदर्श बदला' कहानी के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।
२) 'पाप के चार चार हथियार' पाठ का संदेश लिखिए।
३) ओजोन विघटन संकट से बचने के लिए किए गए अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों को संक्षेप में लिखिए।

(ई) एक वाक्य में उत्तर लिखिए : (४ में से २) ०२
१) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' जी के निबंध संग्रहों के नाम लिखिए।
२) आशारानी व्होरा जी के लेखन कार्य का प्रमुख उद्देश्य।
३) सुदर्शन जी का मूल नाम :- .....
४) डॉ . कृष्ण कुमार मिश्र जी का जन्म स्थान है :- .....

कृति २ (अ) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : (०६)
पद्यांश
गगन में काल रविचंद दीपक बने।
तारका मंडल जनक मोती।
धूप मलयानिल, पवन चवरो करे,
सकल वनराइ कुलंत जोति।
कैसी आरती होई भव खंडना, तोरि आरती।
अनाहत शबद बाजत भेरी।।

१) कृति पूर्ण कीजिए
आरती में समाया प्रकृति रूप - **०२**
१) _____ २) _____

३) _____ ४) _____

२) निम्नलिखित अर्थ के लिए कविता में प्रयुक्त शब्द लिखिए : ०२
१) आकाश २) हवा
३) संपूर्ण ४) दीए

३) 'श्रद्धा से गायाजानेवाला हरिगुण गान महाआरती है' इस विषय पर अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए। ०२

(आ) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : (०६)
"हमारी साँसों के लिए शुद्ध हवा
बीमारी के लिए दवा
शवयात्रा , शगुन या बारात
सभी के लिए देता है पुष्पों की सौगात
आदिकाल से आज तक
सुबह - शाम , दिन - रात
हमेशा देता आया है मनुष्य का साथ
कवि को मिला कागज, कलम , स्याही
वैद, हकीम को दवाई
शासन या प्रशासन
सभी के बैठने के लिए

कुर्सी, मेज, आसन
जो हम उपयोग नहीं करें
वृक्ष के पास ऐसी एक भी नहीं चीज है
जी हाँ , सच तो यह है कि
पेड़ संत है , दधीचि है। "

१) कृति पूर्ण कीजिए। **०२**

पेड का उपयोग :-

१) साँसों .....

२) शासन .....

३) कवि

४) हाकिम

२) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए। **०२**

१) मनुष्य **२) रात** **३) वृक्ष** **४) सच**

३) "पेड़ मानव को परोपकार और सेवा की प्रेरणा देते है ", इस कथन पर अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए। **०२**

(इ) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर 'नवनिर्माण' कविता का रसास्वादन कीजिए : **(०६)**

१) रचनाकार का नाम १
२) पसंद की पंक्तियाँ १
३) पसंद के कारण। २
४) कविता की केंद्रीय कल्पना २

अथवा

जीवन के अनुभव और वास्तविकता से परिचित कराने वालें वृंद जी के दोहों का रसास्वादन कीजिए।

(ई) एक वाक्य में उत्तर लिखिए : (४ में से २) **०२**

१) गुरु नानक जी की भाषाशैली की विशेषताएँ : -
२) चतुष्पदी के लक्षण : -
३) दोहा छंद की विशेषता : -
४) कैलाश सेंगर जी की रचनाओं के नाम : -

कृति ३ (अ) काव्य पंक्तियाँ पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : **(०६)**

" अच्छा , मेरे महान कनु
मान लो कि क्षण भर को
मैं यह स्वीकार कर लूँ
कि मेरे ये सारे तन्मयता के गहरे क्षण
सिर्फ भावावेश थे,
सुकोमल कल्पनाएँ थीं
रँगे हुए , अर्थहीन, आकर्षक शब्द थे -

मान लो कि
क्षण भर को
मैं यह स्वीकार कर लूँ
कि
पाप - पुण्य , धर्माधर्म , न्याय - दंड
क्षमा - शीलवाला यह तुम्हारा युद्ध सत्य है -
तो भी मैं क्या करु कनु,
मैं तो वहीं हूँ
तुम्हारी बावरी मित्र
जिसे सदा उतना ही ज्ञान मिला
जितना तुमने उसे दिया"

१) कृति पूर्ण कीजिए : **०२**

तन्मयता के गहरे क्षण ऐसे थे -

१) ☐

२) ☐

३) ☐

४) ☐

२) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए : **०२**

१) ज्ञान x २) अर्थहीन x

३) आकर्षक x ४) स्वीकार x

३) 'व्यक्ति को कर्मप्रधान होना चाहिए। ' इस विषय पर अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए। **०२**

(आ) किसी एक का उत्तर ८० से १०० शब्दों में लिखिए : (२ में से १) **(०४)**

१) कृष्ण की प्रिय आम की डाली काटने के कारण लिखिए।

२) राधा के अनुसार युद्ध का अर्थ बताइए।

कृति ४ (अ) निम्नलिखित का उत्तर लगभग १०० से १२० शब्दों में लिखिए। **(०६)**

'कोविड - १९' विषय पर ब्लॉग लेखन कीजिए

अथवा

परिच्छेद पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए :

"फीचर लेखक को निष्पक्ष रूप से अपना मत व्यक्त करना चाहिए जिससे पाठक उसके विचारों से सहमत हो सके। इसके लेखन में शब्दों के चयन का अत्यंत महत्व है। अतः लेखन की भाषा सहज, संप्रेषणीयता से पूर्ण होनी चाहिए। फीचर के विषयानुकूल चित्रों , कार्टूनों अथवा फोटो का उपयोग किया जाए तो फीचर अधिक परिणामकारक बनता है। "

स्नेहा अपनी ही रौ में बोलती जा रही थी तभी एक विद्यार्थी ने अपना हाथ ऊपर उठाते हुए कहा, "मैडम , आपने बहुत ही सुंदर तरीकेसे फीचर लेखन की विशेषताओं पर प्रकाश डाला है। "

"अच्छा ! तो आप लोगों को अब पता चला। आपका और कोई प्रश्न है ? " स्नेहा ने उसे आश्वस्त करते हुए पूछा।

"मैडम ! मेरा प्रश्न यह है की फीचर किन - किन विषयों पर लिखा जाता है और फीचर के कितने प्रकार हैं ?"

"बहुत अच्छा , देखिए फीचर किसी विशेष घटना, व्यक्ति, जीव-जंतु , तीज - त्योहार, दिन , स्थान, प्रकृति परिवेश से संबंधित व्यक्तिगत अनुभूतियों पर आधारित आलेख होता है। इस आलेख को कल्पनाशीलता सृजनात्मक कौशल के साथ मनोरंजक और आकर्षक शैली में प्रस्तुत किया जाता है। "

१) तालिका पूर्ण कीजिए : **०२**

फीचर लेखन इन विषयों पर किया जा सकता है –

२) उचित मिलान कीजिए। **०२**

१) चुनाव	-----	सुंदर
२) निश्चिंत	-----	आकर्षक
३) लुभावना	-----	चयन
४) खूबसूरत	-----	आशवस्त

३) 'बिना विचारै जो करे वो पाछे पछताए ' इस उक्ति पर ४० से ५० शब्दों में अपने विचार प्रकट कीजिए। **०२**

(आ) निम्नलिखित में से किसी एक का उत्तर ८० से १०० शब्दों में लिखिए : **(०४)**

१) पल्लवन की प्रक्रिया और शैली पर प्रकाश डालिए।

२) उत्तम संचालक बनने के लिए आवश्यक गुण विस्तार से लिखिए :

अथवा

(आ) सही विकल्प चुनकर वाक्य फिर से लिखिए।

१) स्नेहा को पुरस्कार इसलिए दिया जा रहा था।

अ) समाचार लेखन आ) ब्लॉग लेखन इ) निबंध लेखन ई) फीचर लेखन।

२) वक्ता और श्रोता को जोड़ने की कड़ी।

अ) कवि आ) हास्य कलाकार इ) मंच संचालक ई) आयोजक

३) भारत में ब्लॉग लेखन शुरू हुआ।

अ) १९९९ के पूर्व आ) १९९९ के बाद इ) २००२ के बाद ई) २००२ के पूर्व

४) पल्लवन का अर्थ है -

अ) निबंध आ) संपादन इ) संक्षेप ई) विस्तार

(इ) अपठित गद्यांश पढ़कर कृतियाँ पूर्ण कीजिए **(०६)**

" देने से कृतज्ञता पैदा होती है। आप किसी को कोई उपहार दे रहे हैं, या उपहार आपको मिल रहा है, वह उपहार खुद ही आभार की भावना से भर देता है। उपहार देना कृतज्ञता व्यक्त करने का या उपहार पाने वाले में कृतज्ञता के भाव जगाने का तरीका हो सकता है। मैंने खुद महसूस किया है कि कृतज्ञता खुशी, सेहत और सामाजिक बंधन बाँधने के लिए बेहद जरुरी है। १९९० के दशक में डीआरडीओ में मेरे सहकर्मी डॉक्टर हरद्वार सिंह कि जान बचाने के लिए हृदय प्रत्यारोपण की जरुरत थी। मैंने सारी व्यवस्था कर उन्हें इंग्लैंड भेजने का रास्ता बनाया और उनका हृदय प्रत्यारोपण हो सका। आज वे स्वस्थ और सानंद है। जब आप अपने मन में जागी कृतज्ञता के भाव को शब्दों के जरिए या कुछ करके व्यक्त करते हैं, तो सिर्फ आपके अंदर ही नहीं , बल्कि दूसरों के अंदर भी सकारात्मक भाव पैदा होते हैं। रोजमर्रा की जिंदगी में कृतज्ञता पैदा करना अपनी व्यक्तिगत खुशियों को बढ़ाने की कुंजी है।"

१) उत्तर लिखिए **०२**

१) उपहार मिलने से मन में उत्पन्न भावना।

२) डॉ, हरद्वार सिंह की जान बचाने के लिए जरूरत पडी।

२) निम्नलिखित शब्दों के विलोम रूप लिखिए। **०२**

१) कृतज्ञ x २) स्वस्थ x

३) अंदर x ४) सकारात्मक x

३) 'अंगदान महादान' इसपर ४० से ५० शब्दों में अपने विचार प्रस्तुत कीजिए। **०२**

ई) निम्नलिखित में से किन्हीं चार के पारिभाषिक शब्द लिखिए : (०४)

1) Speed 2) Action 3) Deduction 4) Invalid 5) Payment

6) Judge 7) Expert 8) Balance

कृति ५ अ) निम्नलिखित वाक्यों का कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए। (४ में से २) **०२**

१) लोग हर्ष से तालियाँ पीट रहे थे। (सामान्य वर्तमान काल)

२) पाप अपना ब्रम्हास्त्र तौलता है। (अपूर्ण भूत काल)

३) मैं पता लगाकर आता हूँ। (सामान्य भविष्य काल)

४) उन्हें व्यवस्थित करने के सभी प्रयास निष्फल रहे हैं। (पूर्ण वर्तमान काल)

आ) निम्न पंक्तियों में उद्धृत अलंकार पहचानकर उनके नाम लिखिए (४ में से २) **०२**

१) पत्रा ही तिथि पाइयो , वा घर के चहु पास
नितप्रति पून्यो रहयो, आनन - ओप उजास

२) उस क्रोध के मारे तनु उसका काँपने लगा।
मानो हवा के जोर से सोता हुआ सागर जगा।

३) पायो जी मैंने राम रतन धन पायो।

४) राधा - वदन चंद सो सुंदर।

इ) निम्न पंक्तियों में उद्धृत रस पहचानकर उसका नाम लिखिए : (४ में से २) **०२**

१) तू दयालु दीन हौं , तू दानि हौं भिखारि।
हौं प्रसिद्ध पातकी, तू पाप पुंजहारी।

२) कहत , नटत , रीझत , खिजत।, मिलत, खिलत, लजियात।
भरे भौन में करत हैं , नैननु ही सौं बात।।

३) कहा - कैकयी ने सक्रोध
दूर हट ! दूर हट ! निर्बोध !
द्विजिव्हे रस में , विष मत घोल।
४) एक अचंभा देखा रे भाई।
ठाढ़ा सिंह चरावे गाई।
पहले पूत पाछे माई।
चेला के गुरु लागे पाई।।

(ई) निम्नलिखित मुहावरों में से किन्हीं दो के अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए। ०२

१) वाह वाह करना।
२) विवश होना।
३) कंठ भर आना।
४) गले के निचे उतरना।

उ) निम्नलिखित वाक्यों को शुदध करके फिर से लिखिए (४ में से २) ०२

१) बैजू ने उचित उत्तर दिये।
२) वह सवरग का अमरित है।
३) मृत्युदंड का आग्या हुई।
४) मै तुमको धन्यवाद करता हूँ।

****